NLM Release	State Release	Total Releases	Expenditure	Unspent Balance (Rs. in lakhs)
Total Literacy Campaigns				
48,366.02	19,960.94	68,326.96	51,934.59	16,187.37
Post Literacy Campaigns				
11,096.56	4,888.41	15,984.97	11,304.04	4,657.17

(c) The targets and achievements under National Literacy Mission are not fixed on annual basis. The National Literacy Mission aims at imparting functional literacy to 100 million non-literates in the age group 15-35 year. 68.57 million persons have since been made literate under various schemes of National Literacy Mission. The Government has taken up several initiatives to achieve these objectives:—

(i) Ensuring a greater role for the State Governments by revitalization of State Literacy Mission Authority.

(ii) Close and more intensive monitoring by holding monthly monitoring meetings.

(iii) More objective evaluation and introducing concurrent as well as external evaluation by an agency within the State and outside the State, respectively.

(iv) Greater involvement of Panchayati Raj Institutions.

भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद द्वारा प्रसिद्ध इतिहासकारों को सौंपा गया अनुसंधान कार्य

3466. **डा० महेश चन्द्र शर्मा:** क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद द्वारा प्रो० रोमिला थापर, प्रो० बिपिन चन्द्र, श्री के० एम० श्रीमाली तथा पार्थ सारथी गुप्ता को सौंपे गये अध्ययन और अनुसंधान कार्य का ब्यौरा क्या है,

(ख) इन कार्यों के निश्चित अवधि में पूर्ण होने या पूर्ण न होने की क्या स्थिति है, और

(ग) इन कार्यों पर परिषद द्वारा कुल कितना खर्च किया गया?

मानव संसाधन विकास मंत्री (डा० मुरली मनोहर जोशी): (क) से (ग) भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद द्वारा भेजी गई सूचना के अनुसार वर्ष 1972-73 में प्रो० रोमिला थापर को एक परियोजना "हिस्टारिकल एटलस आफ गंगा एंड युमना दो आब" के लिए 25,000/- की राशि स्वीकृत की गई थी। यह परियोजना पूर्ण हो गई है।

प्रो० बिपिन चन्द्र को वर्ष 1987-88 में "ए हिस्टरी ऑफ इंडियन नेशनल कांग्रेस" नामक कार्य के लिए 75,000 रु० की राशि स्वीकृत की गई थी। दिनांक 23.6.89 तक उन्हें 57,500/- रु० की राशि जारी कर दी गई थी। 17,500/- रु० की बकाया राशि अभी जारी की जानी हैं क्योंकि इससे संबंधित एक औपचारिक पांडुलिपि अभी प्राप्त नहीं हुई।

प्रो० के एम० श्रीमाली उन दो सम्पादकों में से एक हैं जो प्रो० आर० एस० शर्मा तथा प्रो० इरफान हबीब के सामान्य सम्पादकत्व में एक अनुसंधान परियोजना "डिक्शनरी ऑफ सोशल, इकॉनॉमिक एंड एडमिनिस्ट्रेटिव टर्म्स इन इनडियन इन्सक्रिप्शन पर कार्य कर रहे हैं। यह परियोजना अभी तक पूरी नहीं हुई है।

प्रो० पार्थ सारथी गुप्ता ने परियोजना "टुवार्डस फ्रीडम" के एक खंड 1943-44 का सम्पादन किया है। खंड के प्रकाशन के बाद सितम्बर, 1997 में उन्हें 25,000/- रु० का मानदेय प्रदान किया गया।

केन्द्रीय विद्यालय आयुक्त का खाली पड़ा पद

3467. **श्री ईश दत्त यादव:**
श्री रामगोपाल यादव:

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि: